

बी.ए. हिन्दी—पाठ्यक्रम

I, III, V & VII SEMESTER

(वर्ष 2026—27)

(NEP-2020)



हिन्दी विभाग


10.07.2026


10.7.26


10/07/26


10/07/2026
Rashmi Singh
10.7.26


10/07/26

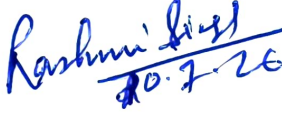
हिंदी विभाग अध्ययन मंडल (BOS) विवरण


डॉ. अफरोज बेगम,
हिन्दी विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर
वि. वि., सागर - Member-


डॉ. हिमांशु कुमार,
हिन्दी विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर
वि. वि., सागर- Special invitee
(Member) -


डॉ. संजय नाईनवाड,
हिन्दी विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर
वि. वि., सागर - Member-

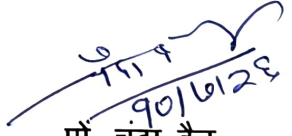

प्रो. राजेन्द्र यादव,
हिन्दी विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर
वि. वि., सागर Member-


प्रो. रश्मि सिंह,
अंग्रेजी विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर
वि. वि., सागर Member-


प्रो. बी.आई. गुरु,
अंग्रेजी विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर
वि. वि., सागर Member

प्रो. नीरज खरे
हिंदी विभाग, बनारस हिंदू वि.वि.
वाराणसी - External Member-
ऑनलाईन

प्रो. खेमसिंह डहेरिया
हिंदी विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय
जनजातीय वि.वि. अमरकंटक
External Member - ऑनलाईन


प्रो. चंदा बैन
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
BOS Chairman

**Programme with Multiple Entry - Multiple Exit
Framework as per the UGC Guidelines & NEP-2020**

B.A. Ist to VIIIth SEM (Hindi)

Course Structure (2026-27)

Level	Sem	Nature of the Course	Course Code	Course Title	Credits
L5	I st	Discipline Specific : Major	HIN-DSM-111	हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास	6
		Multi Disciplinary : Major	HIN-MDM-111	भाषा और समाज	6
		Ability Enhancement Course (AEC)	HIN-AEC-111	विज्ञापन और हिंदी भाषा	2
	II nd	Discipline Specific : Major	HIN-DSM-211	हिंदी कविता : मध्यकाल और आधुनिक काल	6
		Multi Disciplinary : Major	HIN-MDM-211	भारतीय साहित्य	6
		Skill Enhancement Course (SEC)	HIN-SEC-211	रचनात्मक लेखन	2
L6	III rd	Discipline Specific : Major	HIN-DSM-311	हिन्दी कहानी और उपन्यास	6
		Multi Disciplinary : Major	HIN-MDM-311	सोशल मीडिया	6
		Ability Enhancement Course (AEC)	HIN-AEC-311	हिन्दी भाषा और जनसंचार माध्यम	2
	IV th	Discipline Specific : Major	HIN-DSM-411	हिन्दी की अन्य गद्य विधायें	6
		Multi Disciplinary : Major	HIN-MDM-411	हिन्दी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण	6
		Skill Enhancement Course (SEC)	HIN-SEC-411	हिन्दी पत्रकारिता लेखन इतिहास और स्वरूप	2
L7	V th	Discipline Specific : Major	HIN-DSM-511	अस्मितामूलक अध्ययन	6
		Multi Disciplinary : Major	HIN-MDM-511	लोक साहित्य और संस्कृति	6
		Ability Enhancement Course (AEC)	HIN-AEC-511	साहित्य और हिन्दी सिनेमा	2
	VI th	Discipline Specific : Major	HIN-DSM-611	साहित्य सिद्धांत	6
		Multi Disciplinary : Major	HIN-MDM-611	हिन्दी भाषा एवं लिपि का इतिहास	6
		Skill Enhancement Course (SEC)	HIN-SEC-611	हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण	2
L8	VII th	Discipline Specific : Major	HIN-DSM-711	प्रयोजनमूलक हिंदी	6
		Discipline Specific : Major	HIN-DSM-712	प्रवासी साहित्य	6
		Multi Disciplinary : Major (Discipline Specific Research Methodology)	HIN-MDM-711	शोध प्रविधि (हिंदी साहित्य केंद्रित)	6
		Minor Project	HIN-SEC-711	लघु परियोजना कार्य (विषय से संबंधित)	2
	VIII th	Discipline Specific : Major	HIN-DSM-811	आधुनिकता और हिंदी साहित्य	6
		Discipline Specific : Major	HIN-DSM-812	भारतीय साहित्य, संस्कृति और समाज के निर्माता	6
		Discipline Specific Dissertation	HIN-DSM-813	लघु शोध प्रबंध (विषय केंद्रित)	12


10.07.2026


10/07/26


10/07/26


10/07/26

हिन्दी विभाग

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

Discipline Specific Major-1

HIN-DSM-111 (हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-5 SEM-I	HIN- DSM-111	हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	डॉ. अरविंद कुमार

Course Objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी भाषा और साहित्य के इतिहास से परिचित कराना है।
- हिंदी साहित्य के इतिहास के चारों कालखण्डों – आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल और आधुनिक काल के अध्ययन विश्लेषण से विद्यार्थियों में इतिहास बोध और आलोचनात्मक विवेक का निर्माण करना है।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपूक्त हो सकेंगे—

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	विद्यार्थी हिंदी भाषा के विकास को समझ सकेंगे तथा हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन एवं प्रारंभिक काल से परिचित हो सकेंगे।
CO2	भक्ति आंदोलन के अखिल भारतीय स्वरूप को जान सकेंगे तथा भक्तिकाल की प्रवृत्ति और उनके प्रमुख कवियों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
CO3	मध्यकाल की रीतिकालीन प्रवृत्ति और उसके प्रमुख कवियों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
CO4	साहित्य के मध्यकालीन बोध और आधुनिक बोध को समझ सकेंगे तथा आधुनिक कविता की प्रवृत्ति एवं आधुनिक गद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित हो सकेंगे।
CO5	आधुनिक काल के विभिन्न वाद और युग की प्रवृत्ति एवं उसके प्रमुख कवियों और लेखकों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

Course Contents :**इकाई-1 आदिकाल**

(18 व्याख्यान)

हिंदी भाषा का विकास: सामान्य परिचय।

हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन।

काल विभाजन एवं नामकरण।

आदिकाल: आदिकाल की प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि तथा रचनाएँ।

20/7/26
10/7/26

10/7/26

10/7/26

10/7/26

Rashmi Singh

10/7/26

इकाई-2 भक्तिकाल

(18 व्याख्यान)

भक्ति आंदोलन : उद्भव और विकास।

भक्तिकाल : प्रमुख प्रवृत्तियों एवं प्रमुख कवि।

इकाई-3 रीतिकाल

(18 व्याख्यान)

रीतिकाल: नामकरण की समस्या।

रीतिकाल : प्रमुख प्रवृत्तियों एवं प्रमुख कवि।

इकाई-4 आधुनिक काल

(18 व्याख्यान)

मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध : संक्रमण की परिस्थितियाँ।

आधुनिक हिंदी कविता : प्रमुख प्रवृत्तियों एवं प्रमुख कवि।

आधुनिक हिंदी गद्य : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, आलोचना तथा अन्य गद्य रूप।

इकाई-5 प्रमुख साहित्यिक वाद एवं आंदोलन

(18 व्याख्यान)

छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता।

नई कहानी आन्दोलन, समकालीन कहानी का परिचयात्मक इतिहास।

संदर्भ ग्रन्थ :

- हिंदी भाषा-धीरेंद्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद।
- हिंदी साहित्य का इतिहास- रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिंदी साहित्य बीसवीं शताब्दी-आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- हिंदी साहित्य संवेदना और विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास- बच्चन सिंह, राधाकृष्णन प्रकाशन, नई दिल्ली।
- छायावाद- डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- कविता के नए प्रतिमान- डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिंदी भाषा की संरचना- भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. नगेन्द्र, मयूर प्रकाशन, नोएडा।
- हिंदी साहित्य का सरल इतिहास- डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियंट प्रकाशन, नई दिल्ली।

10/07/26

3

Level-5

हिन्दी विभाग
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
Multi Disciplinary Major-2
HIN-MDM-111 (भाषा और समाज)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-5 SEM-I	HIN-MDM-111	भाषा और समाज	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	डॉ. हिमांशु कुमार

Course Objectives :

- इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को भाषा और समाज के अंतरसंबंधों से परिचित कराना है।
- इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी भाषा के व्यावहारिक पक्ष को समझ सकेगा तथा समाज में अपनी भूमिका सुनिश्चित कर सकेगा।
- इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से विद्यार्थी भाषायी अस्मिता एवं जेंडर, भाषा एवं संस्कृति, भाषा एवं जाति तथा भाषा के समाजशास्त्र इत्यादि से परिचित होकर समाज में अपनी भूमिका तय कर सकेगा।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थी निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे-

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	भाषा और समाज के अंतरसंबंध को समझ सकेंगे।
CO2	भाषा की सामुदायिकता का अध्ययन कर सकेंगे।
CO3	भाषा के सामाजिक व्यवहार से परिचित हो सकेंगे।
CO4	भाषा सर्वेक्षण की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
CO5	भाषा और संस्कृति के अंतरसंबंध को समझ कर समाज में भाषा के महत्व से परिचित हो सकेंगे।

Course Contents :

इकाई 1	भाषा और समाज का अंतर संबंध भाषा और समाज भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार समाज भाषा विज्ञान और उसका स्वरूप भाषा का समाजशास्त्र	(18 व्याख्यान)
इकाई 2	भाषाई विविधता और भाषिक समुदाय भाषा और समुदाय भाषा और जाति भाषा और जातीयता द्विभाषिकता और बहुभाषिकता (पिजिन व क्रियोल)	(18 व्याख्यान)
इकाई 3	भाषा और सामाजिक व्यवहार भाषा और वर्ग व्यक्ति, समाज और भाषा वर्ग भाषाई अस्मिता और जेंडर भाषा और युवा वर्ग	(18 व्याख्यान)

Handwritten signatures and dates at the bottom of the page, including dates like 10/07/2026 and 11/07/26.

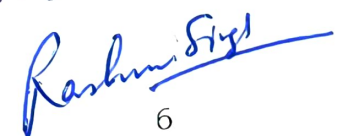
इकाई 4	भाषा सर्वेक्षण भाषा सर्वेक्षण : स्वरूप और प्रविधि भाषा नमूनों का सर्वेक्षण भाषा नमूनों का विश्लेषण भाषा के नवीन प्रयोग	(18 व्याख्यान)
इकाई 5	भाषा और संस्कृति संस्कृति : अवधारणा एवं स्वरूप भाषा और संस्कृति का अंतरसंबंध भाषा का सांस्कृतिक महत्व	(18 व्याख्यान)

संदर्भ ग्रंथ :

- भाषा और समाज – रामविलास शर्मा
- हिंदी भाषा चिंतन – दिलीप सिंह
- आलोचना की सामाजिकता – मैनेजर पाण्डेय
- साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – मैनेजर पाण्डेय
- भाषा का संसार – विवेक सिंह
- भाषा, साहित्य और संस्कृति – विमलेश कांति वर्मा (संपादक)
- भारतीय साहित्य कोश – डॉ. नगेंद्र
- भारतीय भाषा साहित्य - विभूति मिश्र
- Socio linguistics – R. A. Hudson
- Socio linguistics : An Introduction of Language and Society – Peter Trudgill
- The Shadow of Language - George Yule







10/07/26

6

हिन्दी विभाग बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

Ability Enhancement Course (AEC) HIN-AEC-111 (विज्ञापन और हिंदी भाषा)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-5 SEM-I	HIN- AEC-111	विज्ञापन और हिंदी भाषा	2	0	0	2	Mid-40 End Sem-60	प्रो. राजेन्द्र यादव

Course Objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञापन के अर्थ, स्वरूप और महत्व से परिचित करवाते हुए उन्हें विज्ञापन लेखन की प्रक्रिया से परिचित करवाना है।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी ब्रांड निर्माण में विज्ञापन की भूमिका और विज्ञापन के प्रभावों से परिचित होने के साथ-साथ उनमें आधुनिक विज्ञापन और हिंदी भाषा के अंतः संबंधों की समझ भी विकसित होगी।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे—

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	इस इकाई में विद्यार्थी विज्ञापन के अर्थ, परिभाषा और उसके विभिन्न प्रकारों से परिचित हो सकेंगे।
CO2	इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी विज्ञापन के सामाजिक और व्यावसायिक महत्व को समझते हुए, उत्पादों की मार्केटिंग और ब्रांड निर्माण की प्रक्रिया को समझ सकेंगे।
CO3	इस इकाई में विद्यार्थी प्रायोजित कार्यक्रमों के रूप में विज्ञापनों के नए संदर्भों को समझने सकेंगे।
CO4	इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी संचार के विविध माध्यमों जैसे अखबार, रेडियो, टेलीविजन, मोबाईल आदि के अनुसार तैयार किए जाने वाले विज्ञापनों के स्वरूप और प्रकार को समझ सकेंगे।
CO5	इस इकाई के तहत विद्यार्थी विज्ञापन लेखन की भाषा, शैली और संरचना से परिचित होंगे और विज्ञापन की सफलता में विज्ञापन लेखन की महत्वपूर्ण भूमिका को भी जान सकेंगे।

Course Contents :

- इकाई-1 विज्ञापन: अर्थ, परिभाषा और स्वरूप। (18 व्याख्यान)
विज्ञापन और हिंदी भाषा का अंतर्संबंध
- इकाई-2 विज्ञापन का महत्व: सामाजिक और व्यावसायिक महत्व। (18 व्याख्यान)
विज्ञापन और बाजारवाद एवं ब्रांड-निर्माण।

6

20/07/26

इकाई-3 विज्ञापन: नए संदर्भ, प्रायोजित कार्यक्रम। (18 व्याख्यान)

विज्ञापन और लैंगिक संदर्भ।

इकाई-4 विज्ञापन: रेडियो, टी.वी., समाचार पत्र और वाल राइटिंग (18 व्याख्यान)

विज्ञापन और सोशल मीडिया।

इकाई-5 विज्ञापन: आवश्यकता और प्रभाव (18 व्याख्यान)

विज्ञापन और मनुष्य की दुनिया।

संदर्भ ग्रन्थ :

- जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन – विजय कुलश्रेष्ठ, विजय प्रकाशन, दिल्ली।
- जनसंचार माध्यम: भाषा और साहित्य– सुधीश पचौरी, जयपुर यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, जयपुर।
- डिजिटल युग में विज्ञापन: सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी, अनामिका प्रकाशन।
- बैंक के बाद– सुधीश पचौरी, राधाकृष्णन प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली।

वेबलिंक–

- www.adbrands.net
- www.afaqs.com
- www.adgully.com

Handwritten signatures and dates at the bottom of the page:

- Handwritten signature: *RS*
- Handwritten signature: *Rashmi Singh*
- Handwritten signature: *Rashmi Singh*
- Handwritten signature: *Rashmi Singh*
- Handwritten signature: *Rashmi Singh*
- Handwritten date: *20/10/2020*

हिन्दी विभाग
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
Discipline Specific Major-1
HIN-DSM-311 (हिन्दी कहानी और उपन्यास)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-6 SEM-III	HIN- DSM-311	हिन्दी कहानी और उपन्यास	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	प्रो राजेन्द्र यादव

Course Objectives :

- इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों में हिन्दी तथा साहित्य की प्रमुख विधा कहानी एवं उपन्यास के उद्भव और उसकी विकास-यात्रा की समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थी विभिन्न कालखण्ड के कहानीकारों की कहानियों के पाठ, व्याख्या और आलोचना के माध्यम से वर्तमान समय की सामाजिक, राजनीतिक, पारिवारिक, धार्मिक, सांस्कृतिक आदि समस्याओं से अपने जीवन में एक नया आयाम ढूँढ़ सकेंगे।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे-

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	हिन्दी कहानी की विकास-यात्रा से परिचित हो सकेंगे।
CO2	चयनित कहानियों में उसने कहा था, दो बैलों की कथा एवं रोज कहानी का अध्ययन कर सकेंगे।
CO3	चयनित कहानियों में सलाम, पगहा जोरी जोरी रे घटो एवं बोलने वाली औरत कहानी का अध्ययन कर अपनी आलोचना दृष्टि का निर्माण कर सकेंगे।
CO4	हिन्दी उपन्यास के उद्भव एवं विकास से परिचित हो सकेंगे।
CO5	चयनित उपन्यास रागदरबारी का समीक्षात्मक अध्ययन कर सकेंगे।

Course Contents :

इकाई-1 हिन्दी कहानी : विकास, प्रवृत्तियाँ और स्वरूप (18 व्याख्यान)

विभिन्न युग और प्रमुख कहानी

इकाई-2 कहानी : व्याख्या और आलोचना (18 व्याख्यान)

उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी

दो बैलों की कथा - प्रेमचंद

रोज - अज्ञेय

इकाई-3 कहानी : व्याख्या और आलोचना (18 व्याख्यान)

सलाम - ओम प्रकाश वाल्मीकि

पगहा जोरी जोरी रे घटो - रोज केरकट्टा

बोलने वाली औरत - ममता कालिया

763

[Signature]

[Signature]

[Signature]

[Signature]

20/10/2026

इकाई-4 हिन्दी उपन्यास : उद्भव एवं विकास, प्रवृत्तियाँ और स्वरूप

(18 व्याख्यान)

इकाई-5 उपन्यास : व्याख्या और आलोचना
रागदरबारी – श्रीलाल शुक्ल

(18 व्याख्यान)

आधार ग्रन्थ :

- रागदरबारी – श्रीलाल शुक्ल
- एक दुनिया समानान्तर – राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- बोलने वाली औरत – ममता कालिया
- श्रेष्ठ हिन्दी कहानियाँ – संपादक स्वयंप्रकाश

संदर्भ ग्रन्थ :

- प्रेमचंद और उनका युग, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्गता, रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- कहानी : नई कहानी, नामवर सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- नई कहानी की भूमिका, कमलेश्वर, शब्दकार प्रकाशन, तुर्कमान गेट, दिल्ली
- हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान, रामदरश मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- कुछ कहानियाँ : कुछ विचार, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- कहानी स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- इक्कीसवी सदी का पहला दशक और हिन्दी कहानी : सूरज पालीवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- हिन्दी कथासाहित्य एक दृष्टि : सत्यकेतु सांकृत, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- उपन्यास और वर्चस्व की सत्ता : वीरेन्द्र यादव, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

Handwritten signatures and dates at the bottom of the page. The date 10/07/26 is written in the bottom right corner.

हिन्दी विभाग
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
Multi Disciplinary Major-2
HIN-MDM-311 (सोशल मीडिया)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-6 SEM-III	HIN-MDM-311	सोशल मीडिया	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	डॉ. हिमांशु कुमार

Course Objectives :

- इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के प्रति जागरूक करना है।
- इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी सोशल मीडिया के व्यावहारिक एवं व्यावसायिक पक्ष को समझ सकेगा तथा समाज में अपनी भूमिका सुनिश्चित कर सकेगा।
- आज के समय में सोशल मीडिया एक अनिवार्य टूल बन गया है जिससे विद्यार्थी का परिचित होना बहुत आवश्यक है, इसलिए इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से विद्यार्थी देश एवं लोकतंत्र के लिए इसके उपयोग से परिचित हो सकेगा।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे—

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	सोशल मीडिया की अवधारणा से परिचित हो सकेंगे।
CO2	सोशल मीडिया और लोकतंत्र के अंतरसंबंधों को पहचान सकेंगे।
CO3	सोशल मीडिया के व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य से परिचित हो सकेंगे।
CO4	सोशल मीडिया के उपयोग के संदर्भ में अपनी भूमिका का मूल्यांकन कर सकेंगे।
CO5	सोशल मीडिया के प्रभाव से परिचित हो सकेंगे।

Course Contents :

इकाई-1 सोशल मीडिया : अवधारणा

(18 व्याख्यान)

सोशल मीडिया का स्वरूप और प्रकार
सोशल मीडिया का विकास
भाषा, समाज, संस्कृति और सोशल मीडिया
सोशल मीडिया की आचारसंहिता

इकाई-2 सोशल मीडिया और लोकतंत्र

(18 व्याख्यान)

जनजागरूकता, जनभागीदारी और सोशल मीडिया
जनांदोलन और सोशल मीडिया
जनसंपर्क, जनमत निर्माण और सोशल मीडिया
सोशल मीडिया और गवर्नेंस

इकाई-3 सोशल मीडिया का व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य

(18 व्याख्यान)

ब्राड मेकिंग, ब्राड बाजार
बाजार, बाजार की रणनीति
उपभोक्ता जागरूकता
व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा

इकाई-4 सोशल मीडिया : विविध संदर्भ

(18 व्याख्यान)

सोशल मीडिया और स्त्री
सोशल मीडिया और युवा वर्ग
सोशल मीडिया और बाल मन
आपातकाल में सोशल मीडिया
हिंदी एवं सोशल मीडिया की भाषा

इकाई-5 सोशल मीडिया का प्रभाव एवं महत्व

(18 व्याख्यान)

सामाजिक प्रभाव
राजनैतिक प्रभाव
सांस्कृतिक प्रभाव
शैक्षणिक प्रभाव
सोशल मीडिया का महत्व

संदर्भ ग्रन्थ :

- सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद—संजय द्विवेदी (संपादक)
- सोशल मीडिया और स्त्री — रमा
- वर्चुअल रिएलिटी और इंटरनेट — जगदीश्वर चतुर्वेदी
- सीढ़ियों चढ़ता मीडिया — माधव हाडा
- नए जमाने की पत्रकारिता — सौरभ शुक्ला
- संचार के मूल सिद्धांत — ओम प्रकाश सिंह
- सोशल नेटवर्किंग : कल और आज — राकेश कुमार
- नए जनसंचार माध्यम और हिंदी — सुधीर पचौरी (संपादक)
- सोशल मीडिया — योगेश पटेल
- मीडिया के सामाजिक सरोकार — कालूराम परिहार
- मीडिया समग्र फंड — जगदीश्वर चतुर्वेदी
- जनसंचार माध्यम और विशेष लेखन — निरंजन सहाय

Handwritten signatures and initials at the bottom of the page.

हिन्दी विभाग
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
Ability Enhancement Course (AEC)
HIN-AEC-311 (हिन्दी भाषा और जनसंचार माध्यम)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-6 SEM-III	HIN-AEC-311	हिन्दी भाषा और जनसंचार माध्यम	2	0	0	2	Mid-40 End Sem-60	प्रो. राजेन्द्र यादव

Course Objectives :

- इस प्रश्नपत्र का मूल उद्देश्य यह है कि इससे विद्यार्थियों में हिन्दी भाषा और जनसंचार माध्यमों के अभिप्राय, स्वरूप और उसकी अवधारणा की समझ विकसित होगी, जिससे वह अपने जीवन में संचार माध्यम का समुचित अनुप्रयोग कर सकेगा और अपने जीवन शैली को सरल बना सकेगा।
- विद्यार्थी समाचार लेखन, विज्ञापन लेखन, धारावाहिक लेखन, पोस्टर निर्माण, कार्टून आदि के अध्ययन के द्वारा स्वयं के लिए रोजगार के अवसर विकसित करेगा।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थी निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे—

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	जनसंचार के स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
CO2	जनसंचार माध्यम के उपयोग और महत्व को समझ सकेंगे।
CO3	जनसंचार माध्यमों के लेखन की दुनिया से परिचित हो सकेंगे।
CO4	जनसंचार के वैकल्पिक माध्यमों के निर्माण की प्रक्रिया को समझ सकेंगे।
CO5	जनसंचार के आधुनिक आयामों में शुमार सोशल साइट्स फेसबुक इत्यादि के अध्ययन से हिन्दी वेब साहित्य कम्प्यूटर एवं इंटरनेट की दुनिया से परिचित हो सकेंगे।

Course Contents :

- इकाई—1 जनसंचार : अभिप्राय, स्वरूप एवं विस्तार (18 व्याख्यान)
जनसंचार माध्यम, जनसंचार माध्यमों में लेखन, प्रभाव एवं क्षेत्र
- इकाई—2 जनसंचार माध्यमों का विकास, उपयोगिता एवं महत्व (18 व्याख्यान)
जनसंचार माध्यमों का वर्गचरित्र और सम्प्रेषण
जनमाध्यमों की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक भूमिका
- इकाई—3 समाचार लेखन, फीचर लेखन, समाचार शीर्षक, पेजमेकिंग (18 व्याख्यान)
सम्पादकीय पृष्ठ एवं स्तम्भ लेखन, फीडबैक
रेडियो एवं टी.वी. लेखन, विज्ञापन लेखन, फिल्म लेखन
- इकाई—4 जनसंचार के वैकल्पिक माध्यम : अभिप्राय, विकास और महत्व (18 व्याख्यान)
पोस्टर निर्माण, कोलाज, कार्टून, होर्डिंग
संगीत, नुक्कड़ नाटक, गीति-नाटिका, प्रहसन आदि

11/3

11/3

11/3

11/3

11/3

11/3

सोशल साइट्स : आरकुट, ट्विटर, फेसबुक, ब्लॉग का समसामयिक महत्त्व एवं उपयोग, हिन्दी वेबसाइट्स, हिन्दी भाषा और साहित्य के विकास में वेबसाहित्य की भूमिका, कम्प्यूटर एवं इंटरनेट की उपयोगिता एवं महत्त्व

आधार ग्रन्थ :

- हिन्दी वेबसाहित्य : सुनील कुमार लौवटे, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- संस्कृति, विकास और संचार क्रांति : पी.सी. जोशी, ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली
- मीडिया का यथार्थ : डॉ. रतन कुमार पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- मीडिया लेखन : सिद्धान्त और प्रयोग : मुकेश मानस, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
- मीडिया साहित्य और संस्कृति : माधव हाड़ा, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
- मीडिया, बाजार और लोकतंत्र : संपादक पंकज विष्ट, भूपेश सिंह, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली
- मीडिया मिथ और समाज : रामशरण जोशी, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली
- भारत में जनसंचार और प्रसारण माध्यम : मधुकर लेले, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- मीडिया की अंडरवर्ल्ड : दिलीप मंडल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- टेलीविजन लेखन : असगर वजाहद, प्रभात रंजन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- मंडी में मीडिया : विनीत कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- नये जनसंचार माध्यम और हिन्दी : सुधीश पचौरी
- अन्तरसांस्कृतिक संचार : डॉ. मुक्तिनाथ एवं अर्चना शर्मा

The bottom of the page features several handwritten signatures and initials in blue ink. From left to right, there is a large, stylized signature, a smaller signature, a signature that appears to read 'Rashmi Singh', a signature that looks like 'श्री', and a final signature that resembles '207'.

हिन्दी विभाग
बी.ए. पंचम सेमेस्टर
Discipline Specific Major-1
HIN-DSM-511 (अस्मितामूलक अध्ययन)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-7 SEM-V th	HIN- DSM-511	अस्मितामूलक अध्ययन	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	डॉ. अरविंद कुमार

Course Objectives :

- इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों में समाज में वंचित और हाशिये का जीवन जी रहे मनुष्यों के विषय में समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थी अस्मितावादी विमर्श की सैद्धांतिकी से परिचित होकर एक बेहतर समाज के निर्माण में अपनी भूमिका का मूल्यांकन कर सकेंगे।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे—

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	दलित विमर्श की सैद्धांतिकी से परिचित होकर दलितों के उत्थान में फुले और अम्बेडकर के योगदान को समझ सकेंगे।
CO2	भारतीय और पाश्चात्य संदर्भों में स्त्री विमर्श की अवधारणा को समझ सकेंगे।
CO3	आदिवासी विमर्श की अवधारणा को समझ सकेंगे।
CO4	विमर्शमूलक कथा साहित्य के अन्तर्गत कैलाश वानखेड़े, सुशीला टाकभौरे और नासिरा शर्मा की कहानियों का अध्ययन कर सकेंगे।
CO5	विमर्शमूलक कविता के अन्तर्गत ओमप्रकाश वाल्मीकि, असंगघोष, कात्यायनी और अनामिका की कविताओं का अध्ययन कर सकेंगे।

Course Contents :

इकाई-1 दलित विमर्श : अवधारणा और इतिहास, फुले और अम्बेडकर (18 व्याख्यान)

इकाई-2 स्त्री विमर्श : अवधारणाएँ और मुक्ति आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय) (18 व्याख्यान)

इकाई-3 आदिवासी विमर्श : अवधारणा और इतिहास : जल, जंगल, जमीन और पहचान का सवाल (18 व्याख्यान)

इकाई-4 विमर्शमूलक कथा साहित्य : (18 व्याख्यान)

कैलाश वानखेड़े – सत्यापन

सुशीला टाकभौरे – सिलिया

नासिरा शर्मा – खुदा की वापिसी

7/3

7/3

7/3

7/3

7/3

7/3

ओमप्रकाश वाल्मीकि - ठाकुर का कुआ
असंगघोष - मैं दूँगा माकूल जवाब
कात्यायनी - सात भाइयों के बीच चम्पा
अनामिका - स्त्रियों

संदर्भ ग्रन्थ :

- स्त्री उपेक्षिता - सिमोन दा बोउवा, अनुवाद प्रभा खेतान।
- गुलामगिरी - ज्योतिबा फुले, सम्यक प्रकाशन, नई दिल्ली।
- उपनिवेश में स्त्री - प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- दलित आंदोलन का इतिहास - मोहनदास नैमिशराय।
- अम्बेडकर रचनावली भाग-1 - अंबेडकर फाउण्डेशन, नई दिल्ली।
- औरत होने की सजा - अरविंद जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- नारीवादी राजनीति - जिनी निवेदिता, हिन्दी माध्यम क्रियान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- स्त्री अस्मिता साहित्य और विचारधारा - सुधा सिंह, हिन्दुस्तान एकेडमी, दिल्ली।
- दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
- दलित साहित्य के प्रतिमान - डॉ. एन. सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- आदिवासी स्वर और नई शताब्दी - सं. रमणिका गुप्ता, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- आदिवासी अस्मिता का संकट - रमणिका गुप्ता, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली।
- स्त्री संघर्ष का इतिहास - राधा कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- स्त्री चिंतन की चुनौतियाँ - रेखा कस्तवार, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

Handwritten signatures and marks at the bottom of the page, including a large signature that appears to read 'Rashmi Singh'.

हिन्दी विभाग
बी.ए. पंचम सेमेस्टर
Multi Disciplinary Major-2
HIN-MDM-511 (लोक साहित्य और संस्कृति)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-7 SEM-V	HIN-MDM-511	लोक साहित्य और संस्कृति	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	डॉ. संजय नाइनवाड

Course Objectives :

- इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में लोक साहित्य और संस्कृति के प्रति एक बेहतर समझ विकसित करना है।
- इसके माध्यम से वे अपनी लोक परम्परा से परिचित होंगे तथा उनके अन्दर लोक साहित्य और संस्कृति का बोध विकसित होगा।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे—

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	लोक का अर्थ समझ सकेंगे तथा लोक संस्कृति से परिचित हो सकेंगे।
CO2	लोक साहित्य की निर्मिति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली जनपदीय बोलियों से परिचित हो सकेंगे।
CO3	लोक साहित्य की विधाओं से परिचित हो सकेंगे।
CO4	प्रकीर्ण लोक साहित्य के अन्तर्गत लोकोक्ति, मुहावरे इत्यादि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
CO5	लोक संस्कृति के अन्तर्गत लोकनृत्य, लोक संगीत, लोक-वाद्य इत्यादि से परिचित हो सकेंगे।

Course Contents :

इकाई-1 लोक साहित्य की अवधारणा और स्वरूप (18 व्याख्यान)

लोक का अर्थ, परिभाषा और क्षेत्र
लोकजीवन और लोकसंस्कृति, लोककला

इकाई-2 विभिन्न जनपदीय बोलियाँ और लोकसाहित्य (18 व्याख्यान)

राजस्थानी, ब्रजभाषा, अवधी, बुन्देली, छत्तीसगढ़ी, कौरवी,
भोजपुरी, कन्नौजी

इकाई-3 लोकसाहित्य की विधायें (18 व्याख्यान)

लोकगीत, लोकगाथा, लोककथा एवं लोकनाट्य

इकाई-4 प्रकीर्ण लोकसाहित्य

(18 व्याख्यान)

लोकोक्ति, मुहावरें, बतकही, गारी व अन्य

इकाई-5 लोकसंस्कृति

(18 व्याख्यान)

संस्कार, लोकनृत्य, लोकसंगीत, लोकवाद्य, वेष-भूषा आदि

संदर्भ ग्रन्थ :

- लोकसाहित्य और संस्कृति - दिनेश्वर प्रसाद, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- लोक संस्कृति : आयाम एवं परिप्रेक्ष्य - महावीर अग्रवाल, शंकर प्रकाशन, दुर्ग म.प्र.।
- भारतीय लोक साहित्य की रूपरेखा - दुर्गा भागवत (सम्पा.)
- लोक साहित्य : सिद्धान्त और प्रयोग - श्रीराम शर्मा
- लोकसाहित्य - राजेश श्रीवास्तव, कैलाश बुक सदन, भोपाल
- लोकसाहित्य - श्याम परमार
- लोकसाहित्य - लेख-आलेख, मोहन पाटिल
- भारतीय लोकसाहित्य कोष - सुरेश गौतम
- लोकसाहित्य विज्ञान - डॉ. सत्येन्द्र

Rashmi Singh

हिन्दी विभाग
बी.ए. पंचम सेमेस्टर
Ability Enhancement Course (AEC)
HIN-AEC-511 (साहित्य और हिन्दी सिनेमा)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-7 SEM-V th	HIN-AEC-511	साहित्य और हिन्दी सिनेमा	2	0	0	2	Mid-40 End Sem-60	डॉ. अफरोज बेगम

Course Objectives :

- इस प्रश्नपत्र का मूल उद्देश्य यह है कि इससे विद्यार्थियों में साहित्य पढ़ने और सिनेमा देखने की समझ विकसित होगी, जिससे वे अपने जीवन की दिशा तय कर सकेंगे।
- इसके माध्यम से विद्यार्थी सिनेमा की समीक्षा करना सीख सकेंगे।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे—

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	विश्व में सिनेमा के उदय तथा सिनेमा की सामाजिक भूमिका को समझ सकेंगे।
CO2	साहित्यिक रूपांतरण से निर्मित सिनेमा का अध्ययन कर उसकी निर्मिति को समझ सकेंगे।
CO3	हिन्दी सिनेमा के संक्षिप्त इतिहास से परिचित हो सकेंगे।
CO4	साहित्य और सिनेमा के सम्बन्ध को समझ सकेंगे।
CO5	विभिन्न फिल्मों के अध्ययन के माध्यम से सिनेमा की समीक्षा की समझ विकसित कर सकेंगे।

Course Contents :

इकाई-1 साहित्य और सिनेमा : (18 व्याख्यान)

विश्व में सिनेमा का उदय, मध्यवर्ग, आधुनिकता और सिनेमा, सिनेमा की सामाजिक भूमिका, सिनेमा : कला या मनोरंजन

इकाई-2 साहित्य और हिन्दी सिनेमा : (18 व्याख्यान)

प्रमुख साहित्यिक कृतियों की सिनेमाई प्रस्तुति— उमराव जान, चित्रलेखा, देवदास, शतरंज के खिलाड़ी

इकाई-3 हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास : (18 व्याख्यान)

प्रारंभिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रता आंदोलन और हिन्दी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ

इकाई-4 साहित्य और सिनेमा : (18 व्याख्यान)

अंतर्संबंध, सिनेमा और उपन्यास, संवेदना का रूपान्तरण और तकनीक

Rashmi Singh

6

मदर इंडिया, तारे जमीं पर, हिन्दी मीडियम

संदर्भ ग्रन्थ :

- पश्चिम और सिनेमा - दिनेश श्रीनेत, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- हिन्दी सिनेमा का समाजशास्त्र - जवरीमल्ल पारख, ग्रन्थ शिल्पी, नई दिल्ली।
- शहर और सिनेमा : वाया दिल्ली - मिहिर पंड्या, वाणी प्रकाशन दिल्ली।
- सिनेमा और संस्कृति - राही मासूम रजा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- सिनेमा : कल, आज और कल - विनोद भारद्वाज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- भारतीय सिने सिद्धान्त - अनुपम ओझा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- हिन्दी सिनेमा का इतिहास - मनमोहन चट्टा
- नई सदी का सिनेमा - विपिन शर्मा
- अभिनव सिनेमा - प्रचण्ड प्रवीर
- हाउसफुल - ललित जोशी
- फिल्मक्षेत्रे रंगक्षेत्रे - अमृतलाल नागर
- कथा पटकथा - मन्नू भंडारी
- बाजार के बाजीगर - प्रहलाद अग्रवाल

Handwritten signatures and marks at the bottom of the page, including a large signature on the left and several smaller ones on the right.

Level-8

हिंदी विभाग
बी.ए. सप्तम सेमेस्टर
Discipline Specific : Major-1
HIN-DSM-711 (प्रयोजनमूलक हिंदी)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-8 SEM-VII	HIN-DSM-711	प्रयोजनमूलक हिंदी	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	डॉ. सजय नाइनवाड़

Course Objectives :

- इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रयोजनमूलक हिंदी के सिद्धांत, प्रविधि, स्वरूप और उसकी विशेषताओं की समझ विकसित करना है।
- इसके माध्यम से वे भाषा के विविध रूपों और उसकी उत्पत्ति के संक्षिप्त परिचय का बोध प्राप्त करने के साथ-साथ अपने जीवन में, सरकारी कार्यालयों में निबन्ध एवं पत्र लेखन का उपयोग जान सकेंगे।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे—

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	प्रयोजनमूलक हिंदी के स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
CO2	भाषा के विविध रूपों एवं हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति को जान सकेंगे।
CO3	हिंदी भाषा के उद्भव एवं विकास से परिचित हो सकेंगे।
CO4	सरकारी पत्राचार के विभिन्न प्रकारों से परिचित हो सकेंगे।
CO5	सरकारी कार्यालयों में प्रयुक्त होने वाली हिंदी के स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।

Course Contents :

इकाई-1	स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी प्रयोजनमूलक हिंदी : आशय, सिद्धांत, प्रविधि, स्वरूप एवं विशेषताएँ	(18 व्याख्यान)
इकाई-2	भाषा के विविध रूप : राजभाषा, राष्ट्रभाषा, परिनिष्ठित भाषा, संपर्क भाषा भारतीय भाषाओं की संवैधानिक स्थिति	(18 व्याख्यान)
इकाई-3	हिंदी भाषा की उत्पत्ति हिंदी भाषा का संक्षिप्त परिचय, हिंदी की विशेषताएँ सरकार के अधीन कार्यरत प्रमुख हिंदी संस्थाएँ	(18 व्याख्यान)
इकाई-4	सरकारी पत्राचार के प्रकार सरकारी पत्र, अर्द्धसरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञापन, परिपत्र, कार्यालय आदेश, राजपत्र, संकल्प अधिसूचना, अनुस्मारक, प्रतिवेदन सरकारी कार्यालयों में प्रयुक्त हिंदी के प्रकार सार लेखन या संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी लेखन, निबंध लेखन	(18 व्याख्यान)
इकाई-5	हिंदी कम्प्यूटिंग मीडिया का स्वरूप : प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया कार्यालयी हिंदी और अनुवाद पारिभाषिक और तकनीकी शब्दावली	(18 व्याख्यान)

संदर्भ ग्रंथ :

- प्रयोजनमूलक हिंदी : संरचना एवं अनुप्रयोग, डॉ. रामप्रकाश, डॉ. दिनेश गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. रमेश तरुण, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
- सरकारी कार्यालयों में हिंदी प्रयोग : गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धान्त और प्रयोग : दंगल झालटे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- प्रयोजनमूलक हिंदी : राजनाथ भट्ट, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला
- नये जनसंचार माध्यम और हिंदी, सुधीश पचौरी
- अन्तरसांस्कृतिक संचार, डॉ. मुक्तिनाथ एवं अर्चना शर्मा
- हिंदी बेव साहित्य, डॉ. सुनीलकुमार लवटे

Handwritten signatures and marks at the bottom of the page, including a large signature on the left, a signature in the center, and a signature on the right with the name 'Rashmi' written below it.

हिंदी विभाग
बी.ए. सप्तम सेमेस्टर
Discipline Specific : Major-2
HIN-DSM-712 (प्रवासी साहित्य)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-8 SEM-VII	HIN-DSM-712	प्रवासी साहित्य	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	प्रो. राजेन्द्र यादव

Course Objectives :

- इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रवासी हिंदी साहित्य के सिद्धांत, उसकी प्रविधि, उसके स्वरूप और उसकी विशेषताओं की समझ विकसित करना है।
- इसके माध्यम से वे विश्व में भारतीयों द्वारा किए जा रहे लेखन से परिचित होकर उसके महत्व का दिग्दर्शन कर सकेंगे।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे -

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	प्रवासी हिंदी साहित्य के स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
CO2	प्रवासी जीवन की समस्याओं से परिचित हो सकेंगे।
CO3	विश्व में रचे जा रहे हिंदी प्रवासी साहित्य से परिचित हो सकेंगे।
CO4	चयनित उपन्यासों के अध्ययन से प्रवासी लेखन से परिचित हो सकेंगे।
CO5	चयनित कहानियों के अध्ययन से प्रवासी लेखन से परिचित हो सकेंगे।

Course Contents :

इकाई-1	प्रवासी साहित्य : अवधारणा, स्वरूप और विकास वैश्विक पटल पर प्रवासी साहित्य की भूमिका	(18 व्याख्यान)
इकाई-2	प्रवासी जीवन और समस्याएँ दासता, देशांतर गमन, बहुसांस्कृतिकता एवं नागरिकता, भूमंडलीकरण और प्रवासन, वतन और स्मृति, डायस्पोरा और भाषा	(18 व्याख्यान)
इकाई-3	हिंदी प्रवासी साहित्य : स्वरूप और विकास अमेरिका का प्रवासी हिंदी साहित्य, मॉरिशस का प्रवासी हिंदी साहित्य, सूरीनाम का प्रवासी हिंदी साहित्य, अन्य देशों का प्रवासी हिंदी साहित्य	(18 व्याख्यान)
इकाई-4	चयनित अध्ययन : उपन्यास लाल पसीना – अभिमन्यू अनंत मैंने नाता तोड़ा – सुषम बेदी	(18 व्याख्यान)
इकाई-5	चयनित अध्ययन : कहानी कितना बड़ा झूठ – उषा प्रियंवदा देह की कीमत – तेजेंद्र शर्मा वह रात – उषा राजे सक्सेना	(18 व्याख्यान)

संदर्भ ग्रंथ :

- प्रवासी हिंदी कहानी . एक अंतर्यात्रा – सपा सुषमा आर्य, अजय नावरिया, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी प्रवासी साहित्य सपा कमलकिशोर गोयनका, यश पब्लिकेशन्स, दिल्ली 2016
- प्रवासी लेखन . नई जमीन, नया आसमान – अनिल जोशी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2018
- हम प्रवासी – अभिमन्यू अनंत, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, 2004
- सूरीनाम का सृजनात्मक हिंदी साहित्य सपा विमलेशकाति वर्मा, भावना सक्सेना, राधाकृष्ण प्रकाशन, 2015
- देशांतर– सपा. तेजेद्र शर्मा, हिंदी साहित्य अकादमी दिल्ली,
- वह रात और अन्य कहानियाँ, उषाराजे सक्सेना, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली, 2007
- देह की कीमत – तेजेद्र शर्मा, वाणी प्रकाशन, 2014
- मैंने नाता तोड़ा – सुषम बेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली, 2009
- लाल पसीना – अभिमन्यू अनंत, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2010
- कितना बड़ा झूठ – उषा प्रियंवदा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2008
- Indian Diaspora : Global Identity, Ajay Dubey (Editor), Kalin Publication, New Delhi, 2003
- The Girmitya Saga, Giriraj Kishor (Translated by Prajapati Sah), Niyogi Books, New Delhi, 2010

हिंदी विभाग
बी.ए. सप्तम सेमेस्टर
Multi Disciplinary : Major-3
(Discipline Specific Research Methodology)
HIN-MDM-711 शोध प्रविधि
(हिंदी साहित्य केंद्रित)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-8 SEM-VII	HIN-MDM-711	शोध प्रविधि	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	डॉ. अफरोज बेगम

Course Objectives :

- इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को शोध की प्रविधि एवं उसकी प्रक्रिया से परिचित कराना है।
- इसके माध्यम से वे साहित्य के क्षेत्र में होने वाले शोध लेखन से परिचित होकर उसके महत्व का दिग्दर्शन कर सकेंगे।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे –

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	शोध की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
CO2	शोध के सामाजिक महत्व से परिचित हो सकेंगे।
CO3	शोध के प्रकार एवं उसकी पद्धति से परिचित हो सकेंगे।
CO4	साहित्य के क्षेत्र में किए जाने वाले शोध की प्रक्रिया का अध्ययन कर सकेंगे।
CO5	शोध के क्षेत्र में कम्प्यूटर और इंटरनेट के महत्व से परिचित हो सकेंगे।

Course Contents :

इकाई-1	शोध : अवधारणा, स्वरूप और सिद्धांत शोध की आवश्यकता एवं महत्व	(18 व्याख्यान)
इकाई-2	शोध और आलोचना, शोध और समीक्षा, शोध एवं मूल्य शोध का सामाजिक महत्व	(18 व्याख्यान)
इकाई-3	शोध के प्रकार एवं पद्धति पाठालोचन : कार्य और स्वरूप, साहित्यिक शोध में पाठालोचन की भूमिका, अंतरानुशासनिक शोध का स्वरूप और महत्व	(18 व्याख्यान)
इकाई-4	साहित्य में शोध : विषय चयन, अध्याय विभाजन, शोध प्रारूप एवं परिकल्पना, शोध संदर्भ एवं उद्धरण, संदर्भ ग्रंथ सूची, शोध सार, शोध और पुस्तकालय	(18 व्याख्यान)

इकाई-5	कम्प्यूटर का व्यावहारिक ज्ञान और शोध कम्प्यूटर अनुप्रयोग : एमएस आफिस, पीपीटी, ईमेल, इंटरनेट, सोशल साइट्स, ब्लॉग, हिंदी अंग्रेजी फान्ट	(18 व्याख्यान)
--------	--	----------------

सहायक ग्रंथ :

- शोध प्रविधि – हरिश्चंद्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला, 2006
- शोध का स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि – बैजनाथ सिंहल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2015
- अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया – एस.एन. गणेशन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2021
- हिंदी अनुसंधान – विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007
- शोध प्रविधि – विनयमोहन शर्मा, मयूर बुक्स, दिल्ली, 2018

11/3
[01/01/2026]

[Signature]

[Signature]
Page 7 of 14

[Signature]

[Signature]

[Signature]
Rashmi Singh

[Signature]

हिंदी विभाग
बी.ए. सप्तम सेमेस्टर
Minor Project
HIN-SEC-711 लघु परियोजना कार्य
(विषय से संबंधित)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-8 SEM-VII	HIN-SEC-711	लघु परियोजना कार्य	2	0	0	2	Mid-40 End Sem-60	डॉ. हिमांशु कुमार

Course Objectives :

- इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को लघु परियोजना तैयार करने के लिए दक्ष कराना है, जिससे वे हिंदी विषय से संबंधित नई अवधारणाओं से परिचित हो सकेंगे।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे –

Unit**Unit wise Learning Outcomes**

CO1

CO2

CO3

CO4

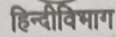
CO5

लघु परियोजना तैयार करने के लिए आवश्यक बारीकियों को समझ सकेंगे तथा हिंदी विषय की नई अवधारणाओं से परिचित हो सकेंगे।

Course Contents :

इकाई-1	हिंदी विषय से संबंधित लघु परियोजना कार्य	(18 व्याख्यान)
इकाई-2		(18 व्याख्यान)
इकाई-3		(18 व्याख्यान)
इकाई-4		(18 व्याख्यान)
इकाई-5		(18 व्याख्यान)

आवश्यक निर्देश : लघु परियोजना कार्य करने के लिए सभी विद्यार्थियों का विभाग द्वारा एक प्रोजेक्ट निर्देशक निर्धारित किया जाएगा। निर्देशक द्वारा निर्धारित किए गए प्रोजेक्ट कार्य का लेखन प्रत्येक विद्यार्थी को करना होगा। प्रोजेक्ट लेखन के लिए 60 अंक तथा उसके प्रस्तुतीकरण के लिए 40 अंक निर्धारित रहेंगे। विभाग द्वारा इसमें आवश्यक परिवर्तन किया जा सकेगा।



(केन्द्रीय विश्वविद्यालय / A Central University)